मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 04 जून 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	05/06/19	06/06/19	07/06/19	08/06/19	09/06/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	45	46	46	47	46
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	32	33	33	34	33
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	2	0	1	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	50	49	49	48	49
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	17	16	16	15	16
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	18	17	16	16	16
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
मूंगफली	बुवाई	सिंचित मूंगफली की बुवाई हेतु निम्न लिखित किस्मों का उपयोग करें :– एच.एन.जी–10, एच.एन.जी–123, आर.जी–425, प्रकाश, जी.जी–7, गिरनार–2 व टी.जी–37। अन्तिम जुताई के समय भूमि में प्रति हैक्टेयर 250 किलो जिप्सम, 15 किलो नाइट्रोजन और 60 किलो फास्फोरस डालें। 2 ग्राम मैन्कोजेब से प्रति किलो बीज को उपचारित करें। सफेद लट के नियंत्रण हेतु बुवाई के समय क्यूनालफॉस 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टेयर की दर से डालें।
वर्षा कालीन भिण्डी	तैयारी	वर्षा कालीन भिण्डी की बुवाई के लिए खेत मे 3–4 बार जुताई कर खेत तैयार करें तथा 120–200 क्विंटल सडी हुई गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर की दर से भूमि में मिलाएं।
सब्जियां	फल / फूल	सब्जियों में 5–6 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें। मृदा नमी को संचित रखने के लिए मृदा सतह पर घास फूस व पॉलिथीन आदि की पलवार का उपयोग करें।
पशु		पशुओं को तेज गर्मी (लू) से बचाने के समुचित उपाय करें। पशु को ठण्डी एवं छायादार स्थान में बॉधे तथा ठण्डा पानी पिलावें। पशु को बॉधते समय यह ध्यान रखें कि उसका मुंह गर्म हवा की विपरीत दिशा में रहे।

(नौडल ऑफीसर)